

- ii शिक्षण प्रक्रिया में सही प्रकार से समझाने के लिए हल चिह्न अवश्य दिखाएँ।
जैसे: जगत्+ईश (जगदीश), जगत्+नाथ (जगन्नाथ), तत्+मय (तन्मय) निर्+रोग (निरोग)।
- iii जिन शब्दों में हल् चिह्न लुप्त हो चुका है उन्हें वैसे ही लिखा जाए।
जैसे: वह व्यक्ति महान (महान) है जो दूसरों का उपकार करता है। महानता एक गुण है।
विद्वान (विद्वान्) सभी जगह सम्मान पाते हैं। विद्वानों का आदर करना चाहिए।
(संस्कृत की दृष्टि से 'महानता' और 'विद्वानों' का प्रयोग अशुद्ध हैं)।

8.. ऐ/औ के शब्द

- (i) उच्चारण को ध्यान में रखते हुए शब्दों की वर्तनी देखिए-
जैसे: 'कच्चा' की जगह कौवा, भय्या की जगह भैया ही ठीक है। इसी प्रकार हौवा, पौवा, सवैया, गैया, गवैया, खेवैया, तैयार, रवैया आदि।
- (ii) परंतु संस्कृत शब्द 'शय्या' 'शयन' शब्द से बना है अतः इसे 'शैया' लिखना उचित नहीं है। 'शय्या' ही लिखना चाहिए।

9. विदेशी-ध्वनियाँ

- (i) अरबी, फारसी के वे शब्द जो हिंदी भाषा में समाहित हो गए हैं तथा जिनकी विदेशी ध्वनियों का हिंदी ध्वनियों में रूपांतरण हो चुका है, उनके हिंदी रूप को ही स्वीकार करते हुए प्रयोग अपेक्षित है।

| | | | |
|-------|-------|---|------|
| जैसे: | कलम | = | कलम |
| | क़िला | = | किला |
| | फ़कीर | = | फकीर |
| | शौक़ | = | शौक |
| | बग़ैर | = | बगैर |
| | बाग़ | = | बाग |

- ii 'ऑ' ध्वनि अँग्रेजी से आई है। हिंदी में प्रयोग अभीष्ट होने पर 'आ' की मात्रा (ा) के ऊपर अर्धचंद्र का (ऑ, ॉ) प्रयोग अपेक्षित है। जैसे: डॉक्टर, कॉलेज, कॉफी, नॉलेज आदि।